पाठ 12

हाथी

3Y9KH4

हाथी अपनी अनोखी शारीरिक बनावट के कारण, बच्चों का ध्यान सहज ही अपनी ओर खींचता है। यह एक बुद्धिमान और उपयोगी पशु है। इस पाठ में हाथी के अनोखेपन और उसकी उपयोगिता को बताया गया है।

कहीं–न–कहीं, कभी–न–कभी तुमने भारी–भरकम, काला–काला, मोटी–मोटी टाँगोंवाला हाथी जरूर देखा होगा। छोटी–सी पूँछ, लंबी सूँड़ और सूप जैसे उसके कान होते हैं।

कभी–कभी गाँव में कुछ लोग हाथी लेकर आते हैं। वे उसे गाँव की गलियों में घुमाते हैं। गाँववाले उन्हें पैसे और अनाज देते हैं, तो कुछ लोग नारियल भी चढ़ाते हैं। महावत के इशारे पर हाथी नारियल फोड़ता है; बच्चों को अपनी पीठ पर बैठाता है।

हाथी की गिनती संसार के सबसे बड़े पशुओं में होती है। हाथी के नवजात बच्चे की ऊँचाई लगभग एक मीटर और वज़न 90 किलोग्राम तक होता है। बड़े हाथी का वज़न तो इससे कई गुना अधिक होता हैं। इसकी ऊँचाई लगभग तीन मीटर होती है।

तुमने हाथी की लंबी सूँड़ देखी होगी। यह वास्तव में हाथी की नाक है। इससे हाथी कई काम करता है। वह अपनी सूँड़ से भारी चीजों को आसानी से उठा लेता है। वह महावत को भी अपनी सूँड़ से उठाकर अपनी पीठ पर बैठा लेता है। किसी चीज़ को तोड़ने, फोड़ने एवं खाने में उसकी सूँड़ हमारे हाथ जैसा काम करती है।

नदी या तालाब में जब हाथी नहाता है, तब सूँड़ बड़ी पिचकारी की तरह काम करती है। वह अपनी सूँड़ में पानी भरकर, अपनी पीठ पर फव्वारा चलाता है और जी भरकर नहाता है। हाथी का रंग काला होने से उसे खूब गर्मी लगती है, इसलिए हाथी कई बार नहाता है। धूप, गर्मी एवं कीड़े–मकोड़ों से बचने के लिए हाथी अपने शरीर पर पाउडर की तरह धूल भी लगाता है। शरीर पर धूल डालने का काम भी उसकी सूँड़ ही करती है। हाथी के सूप जैसे बड़े–बड़े कान धीमी आवाज को सुनने में उसकी बड़ी मदद करते हैं। उसके हिलते हुए वे कान उसके खून को ठंडा रखने में भी सहायक होते है।

तुमने हाथी के मुँह के बाहर निकले हुए दो दाँत देखे होंगे। ये लगभग तीन फीट लम्बे होते हैं। ये दाँत केवल हाथी के होते हैं, हथिनी के नहीं। खाना खाने या खाना चबाने में इन दाँतों का कोई विशेष योगदान नहीं होता। हाथी के खाने के दाँत अलग होते हैं। इसीलिए एक कहावत है–हाथी के खाने के दाँत और दिखाने के और होते हैं।

शरीर के हिसाब से हाथी के लिए भोजन भी खूब लगता है। एक हाथी एक दिन में दो क्विंटल से भी अधिक चारा–पत्ता खाता है। गन्ना इसे बहुत पसंद है। हाथी अपना भोजन चबा–चबाकर खाता है। गाय, भैंस या अन्य शाकाहारी पशुओं की तरह हाथी जुगाली नहीं करता।

हाथी की खाल बहुत मोटी एवं मज़बूत होती है। इसकी खाल पर बाल भी होते हैं, किन्तु बहुत कम।

मनुष्य ने हाथी को अपने काम एवं लाभ के लिए पालतू बनाया है; वैसे हाथी जंगली पशु ही है। जंगल में हाथी झुंडों में रहना पसंद करते हैं। एक झुंड में इनके एक से अधिक परिवार रहते हैं। हथिनियाँ अपने बच्चों को खूब प्यार करती हैं एवं उन्हें सीख भी देती हैं। जंगली हाथी बहुत खूँखार होते हैं। वे जब कभी गाँवों में घुस आते हैं तो लोगों की फसलों एवं घरों को बहुत नुकसान भी पहुँचाते हैं।

प्राचीन काल से ही मनुष्य हाथी को पाल रहा है। राजा, महाराजा इसका उपयोग सवारी एवं युद्ध के लिए करते थे। पालतू हाथी आज भी जंगलों में बोझा ढोने का काम करते हैं। सरकस में भी हमें हाथियों के बहुत–से विचित्र करतब देखने को मिलते थे किन्तु अब सरकस में इनका उपयोग बंद कर दिया गया है।

हाथी जितना शक्तिशाली है, उतना ही बुद्धिमान प्राणी भी है। मशीनी युग आने से समाज में इनकी आवश्यकता एवं महत्व दोनों कम हुए हैं, फिर भी अपने गुणों के कारण भारतीय समाज में हाथी को गणेश का रूप माना गया है इसीलिए यह एक पूजनीय प्राणी है।

शब्दार्थ

महावत	–	हाथी को चलानेवाला।
शाकाहारी	–	जो पेड़–पौधे और उनसे प्राप्त होने वाली चीजें खाते हैं।
संसार	–	दुनिया।
नवजात	–	नया जन्मा हुआ।
स्नान	–	नहाना।

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. हाथी की नाक को क्या कहते हैं?

प्र.2. हाथी अपनी सूँड़ से कौन–कौन–से कार्य करता है ?

प्र.3. नहाने के बाद हाथी अपने शरीर पर धूल–मिट्टी क्यों छिड़कता है ?

प्र.4. हाथी जुगाली नहीं करता। ऐसे चार पशुओं के नाम लिखो जो जुगाली करते हैं।

प्र.5. हाथी की तरह और किस पशु को तालाब में नहाना बहुत पसंद है? क्यों ?

प्र.6. अपनी पसंद के किसी एक जानवर का वर्णन नीचे लिखे बिंदुओं के आधर पर लिखें।

क. शारीरिक बनावट के आधार पर।

ख. भोजन एवं आवास के आधार पर।

ग. मनुष्य के लिए उपयोगिता।

प्र.7. सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाओ –

1. जुगाली का अर्थ है –
   - अ. खाना खाना
   - ब. चुगली करना
   - स. खाने को पेट से मुँह में वापस लाकर उसे फिर से चबाना
2. हाथी को खाने में पसंद है –
   - अ. गन्ना
   - ब. नारियल
   - स. सेब
3. हाथी भारी बोझ उठाता है –
   - अ. अपने सिर से
   - ब. अपनी सूँड से
   - स. अपने दाँत से

भाषा–अध्ययन और व्याकरण

प्र.1. नीचे काले मोटे शब्दों के विलोम शब्द (उल्टे अर्थवाले) खाली स्थान में लिखो।

क– हाथी **समझदार** जानवर है और गधा ..... जानवर है।

ख– हाथी **भारी** चीजें उठाता है, बालक ..... चीजें उठा पाता है।

ग– हाथी की खाल **मोटी** होती है, आदमी की चमड़ी ..... होती है।

घ– हाथी **बड़ा** जानवर है, खरगोश ..... जानवर है।

ङ– शेर **जंगली** जानवर है, बैल ..... जानवर है।

प्र.2 नीचे दिए गए वर्णों का प्रयोग करते हुए शब्द बनाओ।

म, ना, हा, रि, व, य, त, ल।

प्र.3 मज़बूत में चार वर्ण हैं–

म ज बू त

इन चारों वर्णों से अलग–अलग शब्द बनाओ, जैसे

म– मगर, महावत ।

ज– ....., ... ।

बू– ....., ... ।

त– ....., ... ।

प्र.4 पढ़ो, समझो और लिखो –

समझ + दार = समझदार

हवा + दार = हवादार

फल + दार = ––––––

चमक + दार = ––––––

दम + दार = ––––––

––– + ––– = ––––––

––– + ––– = ––––––

रचना

हाथी से संबंधित कोई कविता या कहानी लिखो।

योग्यता विस्तार

- आपके गाँव या शहर में कभी हाथी आता है? यदि हाँ तो उस पर सवारी करके अपने अनुभव कक्षा में सुनाओ।
- हाथी के संबंध में यह कविता पढ़ो, याद करो और कक्षा में सुनाओ।

  हाथी राजा बहुत भले,

  सूँड़ हिलाते कहाँ चले?

  कान हिलाते कहाँ चले?

  मेरे घर आ जाओ ना,

  हलुआ पूड़ी खाओ ना।

- जानवरों के संबंध में बहुत–से मुहावरे और कहावतें प्रचलित हैं। उन्हे ढूँढकर कक्षा की दीवार पर प्रदर्शित करो।

  जैसे – अंधो का हाथी।

- **इस कहानी को पढ़ो–**

एक शहर में एक हाथी रहता था। वह प्रतिदिन दोपहर को नदी में नहाने जाता था। उसके रास्ते में दर्जी की एक दुकान थी। दर्जी बहुत दयावान था। हाथी उसकी दुकान पर पहुँचकर, सूँड़ उठाकर उसे प्रणाम करता था। दर्जी उसे प्रतिदिन एक केला खाने के लिए देता था। एक दिन दर्जी का लड़का दुकान पर बैठा था। दर्जी उस दिन किसी दूसरे काम से बाहर गया था। हाथी रोज की तरह दुकान पर पहुँचा। उसने लड़के को प्रणाम किया। केला लेने के लिए जैसे ही हाथी ने अपनी सूँड़ फैलाई, लड़के ने उसकी सूँड़ में सुई चुभो दी। बेचारा हाथी पीड़ा के कारण चिंघाड़ा। फिर वह नदी की ओर चला गया। उसने अपनी सूँड़ में नदी का गंदा पानी भरा। दर्जी की दुकान पर आकर उसने पिचकारी की तरह वह पानी दुकान में फेंक दिया। दर्जी के कई कपड़े खराब हो गए। दर्जी के लड़के को अपने किए का फल मिल गया।

अब बताओ–

क. हाथी, दर्जी से क्यों हिला–मिला था ?

ख. हाथी के प्रति दर्जी के पुत्र का व्यवहार कैसा था ?

ग. हाथी ने दर्जी की दुकान के कपड़े क्यों गंदे कर दिए ?

घ. हाथी के आचरण से हम पशुओं के व्यवहार में क्या बात देखते हैं ?

ङ पुत्र के आचरण पर दर्जी ने क्या कहा होगा ?

3YIGIR

शिक्षण–संकेत

- बच्चों को ह्रस्व, दीर्घ वर्णों को ध्यान में रखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- हाथी के संबंध में कक्षा में चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को बताएँ कि कोमल व्यवहार करने पर पशु आदमी से हिल–मिल जाते हैं, लेकिन जो उनके साथ बुरा व्यवहार करते हैं, उनको वे सबक सिखा देते हैं।